Class Notes	
कक्षा – चौथी	शीर्षक – पाठ ७ दान का हिसाब
विषय – हिंदी	

पाठ – ७ दान का हिसाब

कठिन शब्द लिखिए -

खर्च
प्रसिद्ध
संन्यासी
कर्तव्य
सुगंधित
आशीर्वाद
राजभंडार
प्रकोप
लोभी
हिसाब

शब्दार्थ लिखिए –

अकाल – प्राकृतिक आपदा

प्रसिद्ध – मशहूर

समझौता – सुलह

प्रकोप – बुरा असर

सत्कार – आदर-सम्मान

हुक्म – आदेश

प्रश्नों के उत्तर लिखिए –

प्रश्न १. राजा किसी को भी दान क्यों नहीं देना चाहता था ?

उत्तर – राजा किसी को भी दान इसलिए नहीं देना चाहता था क्योंकि उसे डर था कि

दान देने से उसका राजभंडार खाली हो जाएगा और वह दिवालिया हो जाएगा |

प्रश्न २. राजदरबार के लोग मन ही मन राजा को बुरा कहते थे लेकिन राजा का विरोध क्यों नहीं कर पाते थे ?
उत्तर – राजदरबार के लोग मन ही मन राजा को बुरा कहते लेकिन राजा का विरोध नहीं कर पाते थे क्योंकि वे राजा के क्रोध से डरते थे |

प्रश्न ३. राजसभा में विद्वान और सज्जन लोग क्यों नहीं जाना चाहते थे ?
उत्तर – राजसभा में विद्वान और सज्जन लोग नहीं जाना चाहते थे क्योंकि वहाँ उनका सम्मान नहीं होता था |

प्रश्न ४. संन्यासी ने सीधे-सीधे शब्दों में भिक्षा क्यों नहीं माँगी ?
उत्तर – संन्यासी ने सीधे-सीधे शब्दों में भिक्षा इसलिए नहीं माँगी क्योंकि वह राजा के कंजूस और दूसरों का अपमान करने वाले स्वभाव से परिचित था |

प्रश्न ५. राजा को संन्यासी के आगे गिड़गिड़ाने की ज़रूरत क्यों पड़ी ?
उत्तर – राजकोष को खाली होने से बचाने के लिए राजा को संन्यासी के आगे गिड़गिड़ाने की ज़रूरत पड़ी |

प्रश्न ६. कर्ण कौन थे ?
उत्तर – कर्ण अंगदेश के राजा और महान दानी थे |

प्रश्न ७. कर्ण जैसे दानी का क्या मतलब है ?
उत्तर – कर्ण जैसे दानी का मतलब है कर्ण के सामान दान देने वाला |

प्रश्न ८. दान क्या होता है ?
उत्तर – निःस्वार्थ भाव से किसी वस्तु को दूसरों को देना दान कहलाता है |

प्रश्न ९. किन-किन कारणों से लोग दान करते हैं ?
उत्तर – धार्मिक और सामाजिक कारणों से लोग दान करते हैं |

प्रश्न १०. राजा राजकोष के धन का उपयोग किन-किन कार्यों के लिए करता था ?

उत्तर – राजा राजकोष के धन का उपयोग मनोरंजन, सुगंधित वस्त्रों और महल की सजावट में करता था |

उपरोक्त लेखन सामग्री घर पर तैयार की गई है |
विद्यार्थी उपरोक्त कार्य अपनी हिंदी कॉपी में पूर्ण करें |